NAVNEET SINGH HANDICRAFT

PRODUCERS COMPANY LTD, BACHHRAWAN, RAEBARELI

BROUCHER

Navneet Singh Handicraft Producer Company Ltd.
Director

4. मूर्री - यह 'फंदा' जैसा ही होता है, लेकिन ज़्यादा बारीक और चावल के दाने जैसा होता है; यह कढ़ाई को एक साफ़-सुथरा और उभरा हुआ रूप देता है।

5. जाली - एक बेहद बारीक और जालीदार टांका, जिसे कपड़े को बिना काटे, ताने और बाने के धागों को सावधानी से अलग करके बनाया जाता है।

6. हूल - बहुत छोटे-छोटे छेद वाले टांके (आईलेट टांके), जिनका इस्तेमाल मुख्य रूप से फूलों के बीच का हिस्सा बनाने के लिए किया जाता है।

आजकल, चिकनकारी का इस्तेमाल कुर्तों, साड़ियों, दुपटटों, लहंगों और घर की सजावट के सामानों में बड़े पैमाने पर किया जाता है। यह अब सुंदरता, परंपरा और लखनऊ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बन चुकी है, जिसकी तारीफ़ भारत के साथ-साथ विदेशों में भी की जाती है।

ज़री कढ़ाई

ज़री कढ़ाई, कढ़ाई का एक शानदार और सजावटी रूप है जिसमें कपड़े पर सुंदर पैटर्न बनाने के लिए महीन धातु के धागों का उपयोग किया जाता है; ये धागे पारंपरिक रूप से सोने या चांदी के बने होते हैं। "ज़री" शब्द फ़ारसी शब्द से आया है जिसका अर्थ है सोना। यह कढ़ाई सदियों से भारतीय वस्त्र कला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है और मुगल काल के दौरान इसे काफी लोकप्रियता मिली, जब शाही परिवार ज़री के बारीक काम से सजे कपड़े पहनते थे। आज, ज़री कढ़ाई का व्यापक रूप से दुल्हन के कपड़ों, साड़ियों, लहंगों, शेरवानियों, कुर्ते, हैंडबैग और घर की सजावट की चीज़ों जैसे कुशन कवर और पर्दों में उपयोग किया जाता है।

ज़री कढ़ाई आमतौर पर रेशम, मखमल, साटन, ब्रोकेड, शिफॉन और जॉर्जेट जैसे शानदार कपड़ों पर की जाती है। धातु के धागे कपड़े में चमक, बनावट और सुंदरता जोड़ते हैं, जिससे यह त्योहारों और खास मौकों के लिए उपयुक्त बन जाता है। कारीगर सबसे पहले कपड़े पर डिज़ाइन बनाते हैं और फिर सावधानीपूर्वक धातु के धागे, मोती, सितारे (sequins), असली मोती या पत्थर लगाकर फूल, पैस्ले, बेलें और ज्यामितीय पैटर्न जैसे सजावटी डिज़ाइन बनाते हैं।

ज़री कढ़ाई कई प्रकार की होती है, और हर प्रकार अपनी अनूठी तकनीक और रूप के लिए जाना जाता है:

1. दबका - एक स्प्रिंग जैसा धातु का तार जिसे कपड़े पर सिलकर उभरे हुए और बनावट वाले पैटर्न बनाए जाते हैं। यह दुल्हन के कपड़ों में आम है।

2. सलमा - महीन, कुंडलित (coiled) धातु के धागे जिनका उपयोग नाज़ुक, सीधी और घुमावदार डिज़ाइन बनाने के लिए किया जाता है।

3. नक्षी - दबका जैसा ही होता है, लेकिन थोड़ा मोटा और अधिक बनावट वाला होता है, जो एक उभरा हुआ और आकर्षक (bold) रूप देता है।

4. कुंदन वर्क - शाही रूप देने के लिए ज़री कढ़ाई को कीमती पत्थरों या कांच के पत्थरों के साथ मिलाया जाता है।

5. गोटा पत्ती - इसमें सोने या चांदी के रिबन के टुकड़ों को कपड़े पर सिलकर 'एप्लिक' (appliqué) शैली के पैटर्न बनाए जाते हैं; यह राजस्थान में काफी लोकप्रिय है।

6. कामदानी - यह एक नाज़ुक प्रकार की कढ़ाई है जिसमें पतले धातु के तारों को सीधे हल्के कपड़े में बुना या सिला जाता है।

ज़री कढ़ाई समृद्धि, कारीगरी और परंपरा का प्रतीक है। इसकी चमकदार फिनिश और बारीक कारीगरी इसे भारतीय फैशन और वस्त्र डिज़ाइन की दुनिया में, भारत और विदेशों में, हमेशा से एक पसंदीदा विकल्प बनाए हुए है।

Handicraft Producter Company Ltd. Director

बछरावां उत्तर प्रदेश

बछरावां उत्तर प्रदेश राज्य के रायबरेली जिले का एक प्रमुख कस्बा, नगर पंचायत और सामुदायिक विकास ब्लॉक मुख्यालयहै । रायबरेली-लखनऊ मुख्य सड़क (एनएच-31) पर स्थित और रेलवे स्टेशन से जुड़ा यह कस्बा रायबरेली शहर से 35 किलोमीटर उत्तर में स्थित एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक केंद्र है, जिसकी जनसंख्या 12,521 (2011 की जनगणना) है।

बछरावां के बारे में मुख्य जानकारी:

- **स्थान एवं संपर्क:** यह स्थान महाराजगंज, हैदरगढ़ और गुरबख्शगंज की ओर जाने वाली सड़कों के चौराहे पर स्थित है, और यहाँ लखनऊ-रायबरेली लाइन पर एक रेलवे स्टेशन भी है।
- **प्रशासन:** यह 11 वार्डों में विभाजित एकनगर पंचायत(नगरपालिका) के रूप में कार्य करता है। यह 66 गांवों को कवर करने वाले एक सामुदायिक विकास ब्लॉक का मुख्यालय भी है।
- **जनसांख्यिकी:** 2011 तक, जनसंख्या 12,521 (6,474 पुरुष, 6,047 महिलाएं) थी, जिसमें साक्षरता दर 82.20% थी, जो राज्य के औसत से अधिक थी।
- **अर्थव्यवस्था और संस्कृति:** यह शहर आसपास के कृषि क्षेत्रों के लिए एक व्यापारिक केंद्र है और अश्विन सुदी 10 को प्रतिवर्ष एक महत्वपूर्ण रामलीला उत्सव का आयोजन करता है।
- **राजनीति:** बछरावां उत्तर प्रदेश विधानसभा क्षेत्र का एक अनुसूचित जाति (एससी) निर्वाचन क्षेत्र है, जो रायबरेली लोकसभा सीट का हिस्सा है।

प्रमुख मोहल्ले/गांव:

- **कसरावन:** एक गाँव जो 3 किलोमीटर दूर है।
- **रसूलपुर:** एक गाँव जो 3 किलोमीटर दूर है।
- **रानी खेड़ा:** 6 किमी दूर एक गाँव

लखनऊ की चिकनकारी-

लखनऊ की चिकनकारी भारत की सबसे मशहूर कढ़ाई परंपराओं में से एक है, जिसकी शुरुआत उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में हुई थी। अपने बारीक हाथ के काम और खूबसूरत डिज़ाइनों के लिए जानी जाने वाली चिकनकारी, पारंपरिक रूप से मलमल, सूती, रेशमी, शिफॉन और जॉर्जेट जैसे मुलायम कपड़ों पर सफ़ेद धागे से की जाती है। माना जाता है कि इस कला की शुरुआत मुग़ल काल में हुई थी और इसे शाही संरक्षण में खूब बढ़ावा मिला। इसकी खूबसूरती बारीक फूलों के डिज़ाइनों, पैज़ली (आम के आकार के डिज़ाइनों), बेलों, पत्तियों और ज्यामितीय आकृतियों में छिपी है, जो इसे एक बेहद सुंदर और आकर्षक रूप देती हैं।

चिकनकारी बनाने की प्रक्रिया में कई चरण शामिल होते हैं। सबसे पहले, कपड़े पर धोने लायक स्याही से डिज़ाइन छापे जाते हैं। इसके बाद, कुशल कारीगर अलग-अलग तरह के टांकों का इस्तेमाल करके हाथों से इन डिज़ाइनों की कढ़ाई करते हैं। कढ़ाई पूरी होने के बाद, कपड़े को धोया जाता है, उसे अंतिम रूप दिया जाता है और फिर इस्त्री की जाती है, जिससे कढ़ाई का बारीक और सुंदर डिज़ाइन उभरकर सामने आता है।

चिकनकारी कढ़ाई में कई तरह के टांकों का इस्तेमाल किया जाता है, जिनमें से हर एक कपड़े को एक अनोखा रूप और अंदाज़ देता है। कुछ मुख्य टांके इस प्रकार हैं:

****1. टेपची**** - एक लंबा चलने वाला टांका, जिसका इस्तेमाल अक्सर डिज़ाइनों और किनारों की बुनियाद बनाने के लिए किया जाता है।

****2. बखिया**** - इसे 'शैडो वर्क' (छाया-कार्य) भी कहा जाता है; इसमें टांके कपड़े की उल्टी तरफ लगाए जाते हैं, जिससे सीधी तरफ एक परछाई जैसा प्रभाव दिखाई देता है। यह चिकनकारी की सबसे लोकप्रिय शैलियों में से एक है।

****3. फंदा**** - छोटे-छोटे गांठ जैसे टांके, जो बाजरे के दानों जैसे दिखते हैं; इनका इस्तेमाल अक्सर फूलों के बीच का हिस्सा बनाने के लिए किया जाता है।

Navneet Singh Handicraft Producter Company Ltd. Bachhrawan-Raebareli
Director

Navneet Singh Handicraft Producer Company Ltd.

Karanpur Kundanganj, Bachhrawan, Raebareli

Contact Details-

Mob-6394688526

Email-navneetsinghhandicrafts@gmail.com

Website-https://nshpc.com/

Sponsored By-

Office of Development Commissioner (Handicrafts)

Ministry of Textiles,

Under AHVY Govt. Of India

West Block 7 RK Puram

New Delhi-110066

Phone-011-26106902/26103562

Fax-011-26163085

Email-dchejs@gmail.com

www.handicrafts.nic.in

Navneet Singh Handicraft Producer Company Ltd. Bachhrawan-Raebareli

Director

Name Of Prototype	Saree
Size	6 mtr.
Price	2000.00

Office of the Development Commissioner (H)

Navneet Singh Handicraft Producter Company Ltd. Chhrawan-Raebareli
Director

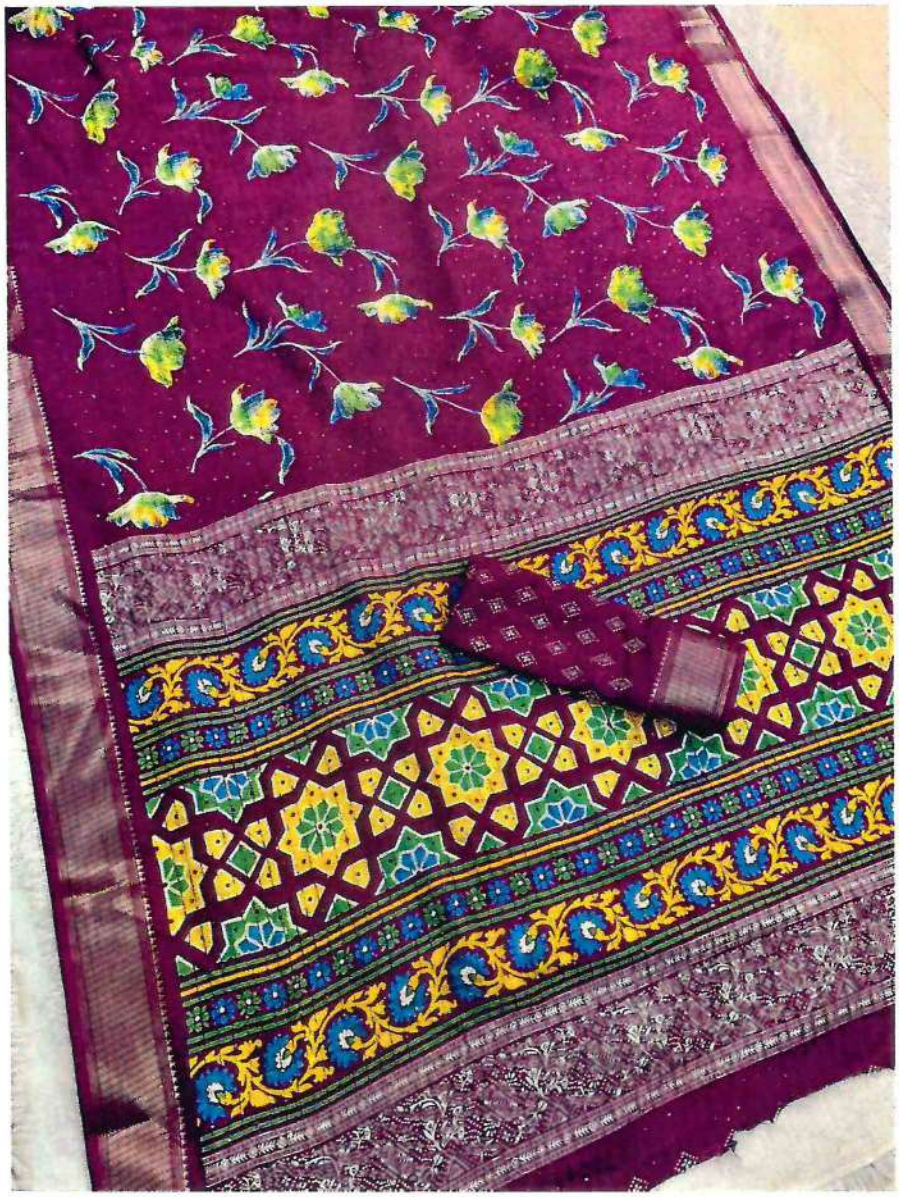

Name Of Prototype	Saree
Size	6 mtr.
Price	2600.00

Office of the Development Commissioner (H)

Navneet Singh Handicraft Producer Company Ltd.
Director

Name Of Prototype	Saree
Size	6 mtr.
Price	3000.00

Office of the Development Commissioner (H)

Navneet Singh Handicraft Producter Company Ltd. Bachhrawan-Raebareli
Director

Name Of Prototype	Saree
Size	6 mtr.
Price	1900.00

Office of the Development Commissioner (H)

Navneet Singh Handicraft Product Company Ltd. Director Bachhrawan-Raebareli

Director

Name Of Prototype	Saree
Size	6 mtr.
Price	2800.00

Office of the Development Commissioner (H)

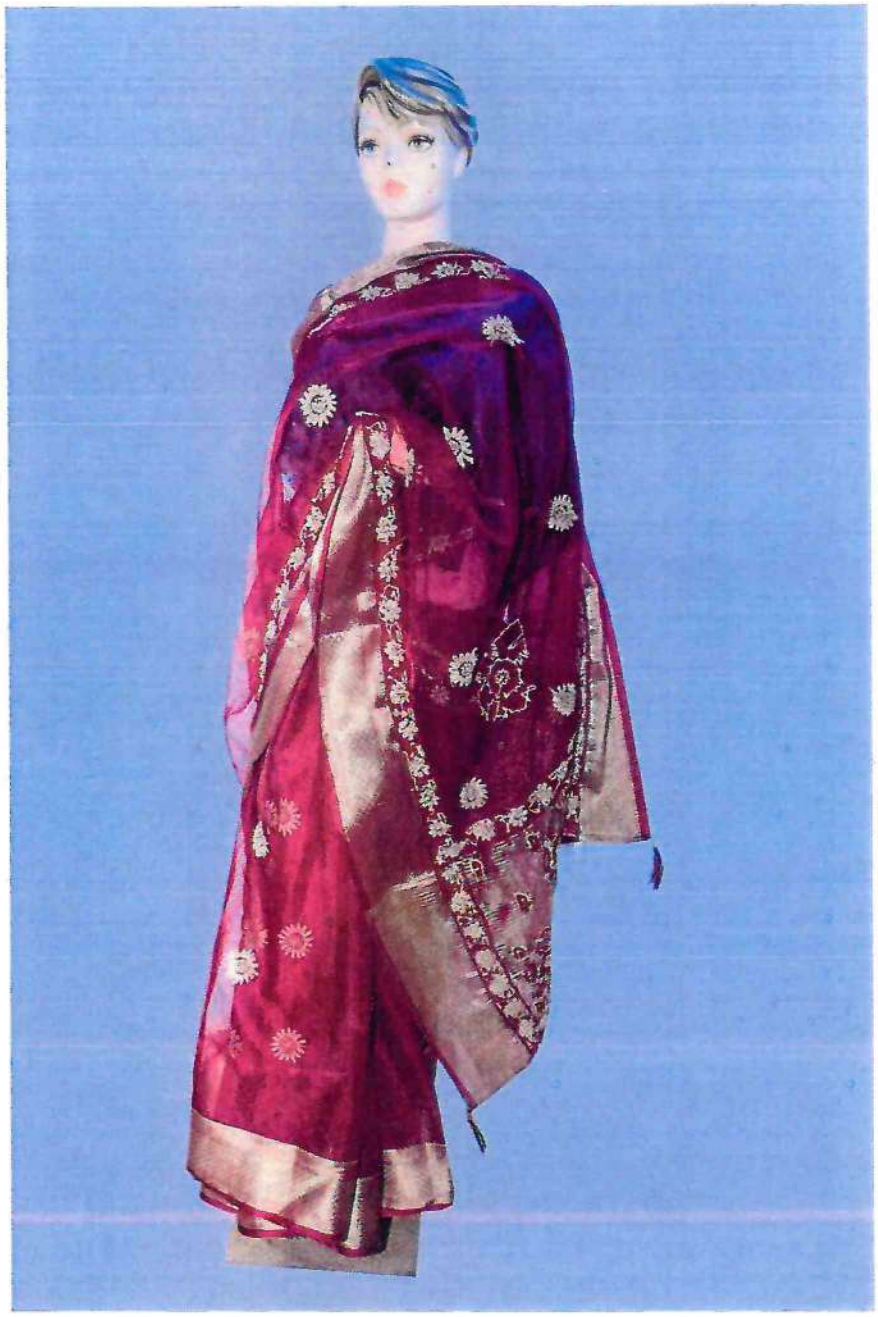

Name Of Prototype	Saree
Size	5.9 mtr.
Price	4100.00

Office of the Development Commissioner (H)

Navneet Singh Handicraft Producer Company Ltd. Lachhirawan-Raebareli
Director

Name Of Prototype	Saree
Size	5.9 mtr.
Price	4500.00

Office of the Development Commissioner (H)

Navneet Singh Handicraft Producer Company Ltd.
Director
Bhiwan-Rachaeli

Name Of Prototype	Ladies Suit
Size	36 inch
Price	1900.00

Office of the Development Commissioner (H)

Director

Ladies Suit

Size- 37 inch

Price- 2200.00

Ladies Suit

Size-36 inches

Price-2000.00

Ladies Suit

Size-36 inches

Price-2300.00

Ladies Suit

Size-36 inches

Price-2200.00

Navneet Singh Handicraft Producter Company Ltd. Director

Publicity of Embroidery Craft

Karanpur Kundanganj Bachhrawa Raebareli

Sponsored By	Development Commissioner Office of the Devlopment Commissioner (H)
Sanction Order No	C-14011/12(PC)/2022-23-CC(CR)/F-Publicity/AHVY/GEN-8 Dated-03/08/2022
Head Office	Ministry of Textiles Govt of India West Block No 7 RK Puram,New Delhi 110066 Ph-011-26106902, 26103562 Fax- 011-26163085 Email- dchejs@ren02.nic.in Website-www.handicraft.nic.in
Regional Office	Regional Director (CR) Office of the Development Commissioner (H) Kendriya Bhawan, 7th Floor, Section-H Aliganj Lucknow-226024 UP Phone-0522-2324033/2326703/2324220 Email-dchcrlko2008@yahoo.com
C.W.T.S.C/R.D.T.D.C	Asst. Director Office of the Development Commissioner (H) Kendriya Bhawan, 7th Floor, Section-H Aliganj Lucknow-226024 UP Phone-0522-2324033/2326703/2324220 Email-dchcrlko2008@yahoo.com

For Further Enquiry Please contact

NAVNEET SINGH HANDICRAFT PRODUCER COMPANY LTD.

Karanpur, Kundanganj, Bachhrawan, Raebareli UP

Mob-6394688526

Contact Person-Mr. Jitendra Pratap Singh (President)

Navneet Singh Handicraft Producer Company Ltd. Raebareli

Director

NAVNEET SINGH HANDICRAFT

PRODUCERS COMPANY LTD, BACHHRAWAN, RAEBARELI

BROUCHER

Navneet Singh Handicraft Producer Co. Ltd. Bachhrawan-Raebareli
Director